

# **EXTRAORDINARY**

भाग II---- खण्ड 3--- उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 176]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 4, 1973/वैशाख 14, 1895

No. 176]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 4, 1973/VAISAKHA 14, 1895

# इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह धरलग संजलन के कप में रक्ता जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY

#### ORDER

New Delhi, the 4th May 1973

S.O. 266(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Order of the late Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Industrial Development) No. S.O. 1027, dated the 6th March, 1971, namely:—

In the said Order, for the heading "Director (Production)" and serial number 2, the following serial number shall be substituted, namely:—

"2. Major General K. M. Kini (Retired, C/o M/s. Braithwaite and Company (India) Limited, Calcutta.".

[No. 1/2/73-P.S.Cell/HM(I).]

S. M. GHOSH, Jt. Secy.

### भारी उद्योग मन्नालय

### श्रादेश

# नई दिल्ली, 4 मई, 1973

एस० श्रो० 266 (श्र).---उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रीधिनयम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्दीय सरकार, भृतपूर्व श्रीद्योगिक विकास श्रीर अन्तर्देशीय व्यापार मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश स० का० श्रा० 1027, तारीख 6 मार्च, 1971 में श्रीर संशोधन करने के लिए निम्तलिखित श्रादेश करनी है, श्रर्थात :---

उक्त स्रादेण में, "निदेशक (उत्पादन)" शीर्षक श्रौर क्रम मंख्या 2 के स्थान पर निम्नलिखित क्रम मंद्र्या रखी जाएगी, स्रथांत :---

"2. मेजर जनरल के० एम० किनि (सेवानिवृक्त), द्वारा मैसर्स ब्रैथवेट एण्ड कम्पनी (डण्डिया) लिमिटेड, कलकत्ता।"।

[सं० 1/2/73-पी० एम० सेल/एच० एम०(I)] एस० एम० घोप, संयुक्त संखिष ।